

मानसरोवर विस्तार

# जयपुर में आवासीय प्लैट्स के द्वितीय चरण हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन



# मुख्यमंत्री जन आवास योजना - 3A

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं  
स्थिल एस्टेट रेगुलेशन एक्ट में पंजीकृत आवासीय योजना

### आवेदन की अंतिम तिथि

23 मार्च, 2024

**1BHK** पंजीकरण राशि ₹66,000  
कुल राशि ₹23.5 लाख\*

**3BHK** पंजीकरण राशि ₹96,000  
कुल राशि ₹43 लाख\*

## संपर्क करें

**8687882222  
7240192222**

# जे पार्क

## मानसरोवर विस्तार जयपुर

## 90% तक लोन उपलब्ध विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पेरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए **2 लाख रुपये** तक की विशेष छूट।

# आवेदन हेतु

[www.cmjanaawas.com](http://www.cmjanaawas.com)







THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता



वर्ष-28 अंक : 362 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फालुन शु. 11 2080 बुधवार, 20 मार्च-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

31<sup>st</sup>  
SHOWROOM

## नमस्ते हैदराबाद !

विश्वस्तरीय शापिंग की अनुभूति  
नये ढंग से अब अपने BHEL सर्किल में



CMR  
शानदार ढंग से  
**आज**  
ही शुभारंभ

सुबह 10.19 बजे

हमारे 31 वें विशाल शोरूम के प्रारंभोत्सव में  
आप सभी समस्त कुटुंब व सह-परिवार सादर आमंत्रित हैं

**CMR**  
SHOPPING MALL

*The joy of life*



शापिंगमाल प्रारंभकर्ता

श्री सी. दामोदर राजनरसिम्हा जी  
राज्य स्वास्थ्य, विकित्या, परिवार कल्याण, विज्ञान  
व प्रौद्योगिकी मंत्री, तेलंगाना सरकार



ज्योति प्रज्वलन  
एनजीटिक्स स्टार  
राम पोतिनेनि द्वारा  
सिनेमा अभिनेता



श्री जे. जयपाल जी  
टीपीसीसी जनरल सेक्रेटरी



श्री काटा श्रीनिवास गौड  
पटनचेरु निवाचन क्षेत्र इन्वार्ज



श्री कोल आन्जनेयुलु जी  
चेयरमेन - वज्रम कन्स्ट्रक्शन्स



श्री नदीम उल्लाह खान जी  
लैन्ड लार्ड

**BHEL सर्किल**  
**HP पेट्रोल बन्क के बाजू**

FOLLOW US ON  
[/cmrshoppingmallindia](https://facebook.com/cmrshoppingmallindia)  
[/cmrshoppingmall](https://twitter.com/cmrshoppingmall)

आंध्र प्रदेश | तेलंगाना



\* साडियां \* चुड़ीदारस् \* घाघराज \* वूमेन्स वेयर \* मेन्स वेयर \* किड्स रेडिमेड \* कास्मेटिक्स \* फूट वेयर \* सिल्वर ज्वेलरी







## बेरोजगारी में आटा गीला

आखिर क्या वजह है कि देश के लगभग सभी राज्यों में प्रतियोगी परीक्षाएं लीक हो रही हैं, जिससे परीक्षाएं रद्द करनी पड़ती हैं। इस लिये व्यवस्था से लाखों युवाओं का पैसा और समय तो बर्बाद होता ही है साथ ही उनका मनोबल भी टूट जाता है। साल बर्बाद होने की वजह से उन्हें फिर नए सिरे से आवेदन करना और उसकी तैयारी करनी पड़ती है। इसी मशक्कत में कई युवाओं की उम्र भी पार हो जाती है और वे पढ़-लिख कर भी बेरोजगार ही रह जाते हैं। देखा जाए तो प्रतियोगी परीक्षाओं के पर्चों का केंद्रों पर पहुंचने से पहले ही बाहर आ जाना कोई नई बात नहीं रह गई है। हर घटना के बाद सरकारें नकल माफिया पर शिकंजा कसने और परीक्षा प्रणाली को भरोसेमंद बनाने का संकल्प तो लेती है लेकिन अगली ही किसी परीक्षा में फिर पर्चे लीक हो हो जाते हैं। पिछले महीने उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती परीक्षा का पर्चा लीक हुआ तो परीक्षा रद्द करनी पड़ी थी। अब बिहार लोक सेवा आयोग की शिक्षक भर्ती परीक्षा के पर्चे एक दिन पहले ही बाहर आ गए। आरोप है कि नकल माफिया ने दस-दस लाख रुपए लेकर विद्यार्थियों को उनके उत्तर उपलब्ध करा रहा था। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा को दो दिन पहले ही जानकारी मिल गई थी कि शिक्षक भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र हल करके बांटे जा रहे हैं। परीक्षा के बाद जब पकड़े गए और परीक्षा के प्रश्नपत्रों का मिलान किया गया, तो साफ हो गया कि पर्चा पहले ही लीक हो गया था। अब सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप की रस्म अदायगी कर रहे हैं। बिहार लोक सेवा आयोग यह साक्षित करने की कोशिश में जुया रहा कि शिक्षक भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ है, लेकिन समय रहते खुलासा हो गया कि आयोग गलत था। बिहार में कई वर्ष से शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया रुकी हुई थी। जब उसे भरने का काम शुरू हुआ और दो चरण की परीक्षाओं में हजारों विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें नियुक्ति पत्र दे दिए गए तो इसे लेकर युवाओं में उत्साह बना। युवाओं के उत्साह को देखते हुए नकल माफिया भी सक्रिय हो गया और इसके तीसरे चरण की परीक्षा में पर्चा बाहर निकाल लाया। देखा जाए तो यह अकेले बिहार की बात नहीं है जब परीक्षा से पहले पर्चा बाहर निकाल कर नकल माफिया ने पैसा बटोरना शुरू कर दिया हो।

हराना इस बात का है कि तमाम तथ्यों से वाकिफ होत हुए भी परोक्षा की तैयारियों में अपेक्षित सावधानी क्यों नहीं बरती गई। एक दिन पहले प्रश्नपत्र बाहर आने और सवालों के उत्तर तैयार किए जाने का मतलब है कि नकल माफिया ने प्रश्नपत्रों के केंद्रीय सुरक्षा तंत्र में सेंधमारी की है। जबकि प्रचार यह किया जाता है कि प्रतियोगी परीक्षाओं के पर्चे खोलने के लिए कई स्तर के कवच तैयार किए जाते हैं। फिर भी नकल माफिया उन्हें भेद गया, तो जाहिर है कि उसमें परीक्षा आयोजित कराने वाले तंत्र की भी मिलीभगत रही होगी। सरकारी नौकरियों के लिए युवाओं व समाज में कितना क्रेज है यह किसी से छिपा नहीं है। विभिन्न महकमों में लाखों पद वर्षों से खाली पड़े हैं। उन पर भर्ती प्रक्रिया रुकी हुई है। ऐसे में, जब भी किसी महकमे में कोई भर्ती खुलती है, तो देश भर से लाखों युवा आवेदन करते हैं। इस वक्त रोजगार की जैसी मारामारी देखी जा रही है, उसमें कई ज्यादा पढ़े-लिखे युवा अपनी योग्यता के हिसाब से बहुत नीचे के पदों पर भी आवेदन करने लगे हैं। सबको एक अदद सरकारी नौकरी की दरकार है। इस स्थिति में अगर प्रतियोगी परीक्षाओं का पर्चा लीक हो जाए तो उन पर पहाड टूट पड़ता है। उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय दिखने लगता है। यह समझ से परे है कि नकल माफिया की करतूतों से वाकिफ होते हुए भी सरकारें और प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित कराने वाले कोई पुख्ता तंत्र विकसित करने में कामयाब क्यों नहीं हो पा रहे हैं।

अपने अस्तित्व की सुरक्षा से जूझती गैरैया  
को हमारे सहयोग की आवश्यकता

गैरैया की चहचहाहट से, भोर हुआ कर तो थी, गैरैया से करलव से, दिन-रजनी से मिला करती थी। एक समय था जब हमारा जीवन गांवों में बसा करता था। जहाँ हमारे चारों ओर ग्रामीण परिवेश में बसे जीव-जन्मनु निवास करते थे, उन्मुक्त गगन में जब हम इन जीव-जंतुओं के इर्दगिर्द रहते तो जमीन से जुड़े हुए होने का यथार्थ आनंद की अनुभूति करते थे। हम सभी को याद होगा कि उन जीवों में से एक नहीं सी चिड़िया गैरैया भी हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा हुआ करती थी, इसकी चहचहाहट से ही दिन की शुरुआत होती थी, और इनके करलब से ही दिन का प्रकाश शांत होता था। सभी के घर-आँगन की शोभा गैरैया हमारे आसपास अपना जीवन बड़े उमंग से व्यतीत करती थी। हमारे घर के नन्हे बच्चे गैरैया के पीछे-पीछे के मजदूर की भाँति सुबह से अपने काम में बड़े परिश्रम से लग जाती थी। किसानों के इस दोस्त की संख्या दिन व दिन कम होते जा रहे हैं; यह हमारे लिए एक चिंता का विषय है। हर साल 20 मार्च का दिन दुनियांभर में गैरैया दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत और दुनियाभर में गैरैया पक्षी की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। हर साल 20 मार्च को गैरैया पक्षी के संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य के यह दिवस मनाया जाता है। गैरैया धरती में सबसे पुरानी प्रजाति में से एक है। गैरैया की लुप्त होती प्रजाति और कम होती आबादी बेहद ही चिंता का विषय है। पहली बार गैरैया दिवस 2010 में मनाया गया था, नेचर फॉरेंवर सोसाइटी (भारत) और इको-सीस एकशन फाउंडेशन (फ्रांस) के सहयोग से विश्व गैरैया दिवस की शुरुआत की गई। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, आधुनिकरण, शहरीकरण और लगातार बढ़ रहे प्रदूषण से गैरैया पक्षी विलप्त

भागते-दौड़ते और साथ खेला करते थे । उस समय की कल्पना से ही मन में जैसे उमंग भर जाती है । इस सुखद यादें अपने मन में रखे इस नन्हा सा जीव गौरैया को देख अब लगता है जैसे यह हमसे रूठ गयी है । बहुत-बहुत दिनों तक इसके दर्शन नहीं होते हैं । उसकी चहचहाहट, करलब की ध्वनी को सुनने के लिए मन फिर से मचल उठता है । उसकी फुदक के साथ हमारे पैर भी थिरकने के लिए तरसने लगे । पता नहीं किसकी नजर लग गई, यह नन्ही साथी अब हमारे खेत-खलियान, घर-आँगन से अदृश्य होती जा रही है । रवि की फसल आते ही किसानों की यह नन्ही दोस्त चर्चे, मटर के खेत में इल्लियाँ खाती नजर आती थी, किसानोंपरोगी यह नन्हा जीव अपनी मित्रता निभाने के लिए जैसे बिन मजदुरी होने की कगार पर पहुँच गया है । गौरैया पक्षी की संख्याँ में लगातार कमी एक चेतावनी है कि प्रदूषण और रेडीएशन प्रकृति और मानव के ऊपर क्या प्रभाव डाल रही है । इसे दुरुस्त करने की नितांत आवश्यकता है । हर साल 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस एक खास थीम “आई लव स्पैरो” के साथ मनाया जाता है । गौरैया के संरक्षण और बचाव के लिए हमें कुछ सरल सहयता कर इसे बचा सकते हैं । गौरैया आपके घर में घोसला बनाये, तो उसे हटायें नहीं । रोजाना आँगन, खिड़की, बहरी दीवारों पर दाना पानी रखें । गर्मियों में गौरैया के लिए पानी रखें । पेड़ों पर डिब्बे, मटके आदि टांगे जिसमे गौरैया घोसला बना सके । घरों, छत में घान, बाजरा की बाली लटकाकर रखें । यह हमारा एक नन्ही सी दोस्त का संरक्षण एवं बचाव के लिए प्यास कर सकते हैं ।

# आम चुनाव में अर्जुन की आंख चाहिए

## ललित गग्नी

लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है और चुनाव का माहौल गरमा रहा है। चुनावों की तारीखें घोषित किए जाने के साथ ही जैसी कि उम्पीद थी, सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी और तेज हो गई। कौरव रूपी विपक्षी दल एवं पाण्डव रूपी भाजपा के बीच इस चुनाव में असली जंग सत्य और असत्य के बीच है। सत्ता पक्ष और विपक्ष की यह नोक-झोंक ही तो लोकतंत्र की खूबसूरी है, यह जितनी शालीन एवं उत्तम होगी, लोकतंत्र का यह महापर्व कुंभ उतना ही ऐतिहासिक एवं खास होगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और उदार बहुदलीय राजनीतिक प्रणाली का जीवन्त उदाहरण है जिसकी वजह से चुनावों का समय एवं प्रचार विविधतापूर्ण, आक्रामक व रंग-रंगीला होना ही है मगर इसमें कहीं भी कड़वापन, उच्छृंखलता और आपसी रंजिश का पुट नहीं आना चाहिए। इस बार के चुनाव में जहां भाजपा नेतृत्व अगले 20 वर्षों का विजन पेश कर रहा है, वहीं कांग्रेस नेतृत्व इसे लोकतंत्र बचाने का आधिकारी मौका करार दे रहा है। यानी इन चुनावों का फलक पांच साल के काम के आधार पर अगले पांच साल के लिए जनादेश के सामान्य ट्रेंड तक सीमित नहीं रहा। यह चुनाव असल में आजादी के अमृतकाल यानी वर्ष 2047 के लक्ष्य की सुनिश्चित करने वाला है। इस चुनाव में सर्वाधिक चर्चा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनके भावी देश-निर्माण के संकल्प की है। असल में तो इन चुनाव में भाजपा की

नहीं? भाजपा अभियान चला जीत का दावा बड़े लक्ष्य को है, उनके प्रति जीत रान है। भाजपा जबकि विपक्ष के लिये भी जीत पा रही है। इन हैं - अर्थिक देश में सशक्त सांस्कृतिक सशक्त भारत, की महाशक्ति विपक्ष इन ही ना कर रहा है। महानायक है, जो स्थिरता का रहे हैं। अपने ह एक अत्यंत व्यक्ति है। इस मांचक होने के तर्न का कारण सभी पार्टियां पेश कर रही हैं ल्प बता रही हैं है कि देश में त से ही होगा। क बन जाता है यस केवल इसी है। बाकी सभी तोड़ने में लगे पर्तियां प्राप्ति का तृत्व जब तक तब तक मत,

सफल एवं सक्षम नेतृत्व की अपेक्षा है, जो राष्ट्रहित को सर्वांपरि माने। आज देश को एक अर्जुन चाहिए, जो मछली की आंख पर निशाने की भाँति भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराध, महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती आबादी, सरकारी खजाने का गलत इस्तेमाल, देश की सीमा-रक्षा आदि समस्याओं पर ही अपनी आंख गडाए रखें। इस दृष्टि से सबकी नजरे मोदी पर ही लगी हैं। मोदी ही अर्जुन की मुद्रा में हैं जो मछली की आंख पर निशान लगा सके। वे ही युधिष्ठिर हैं जो धर्म का पालन करते हुए दिख रहे हैं जो स्वयं को संस्कारों में ढाल, मजदुरों की तरह श्रम कर रहे हैं। वे आदर्श एवं मूल्यों के साथ चुनावों में उतरे हैं, राजनीति की चकाचौथ में धृतराष्ट्र बने नेताओं के लिये वे एक चुनौती हैं। सभी विपक्षी दलों में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव है और परिवारवाद तथा व्यक्तिवाद की छाया है। कोई अपने बेटे को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है तो कोई अपने बेटे को मुख्यमंत्री के रूप में। किसी का पूरा परिवार ही राजनीति में है, इसलिए विरासत संभालने की जंग भी जारी है। ऐसे में मोदी ही सबसे प्रभावी नेता बन कर सामने आ रहे हैं। महागाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे पूराने मुद्दे भी उठाए ही जा रहे हैं लेकिन बाटर के फैसले में इनकी कितनी भूमिका रहेगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है। कॉम्प्रेस नेता राहुल गांधी की दो-दो यात्राओं से उपजे प्रभाव की परीक्षा भी इन्हीं चुनावों में होनी है। कुल

बते हुए यह तथ भाना जा सकता और उसकी चेतना को दूषित कर दिया है। सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। इसकी वजह से लोगों में विपक्षी दलों के प्रति विश्वास इस कदर उठ गया है कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा-सा लगता है। अंखें उस चेहरे पर सचाई की साक्षी ढूँढ़ती है। यही कारण है कि दुर्योधन की बात पर आचार्य द्वारा कहना पड़ा, ‘‘दुर्योधन मेरी बात ध्यान से सुनो। हमारा जीवन इधर ऐश्वर्य में गुजरा है। मैंने गुरुकुल के चलते स्वयं ‘‘गुरु’’ की मर्यादा का हनन किया है। हम सब राग रंग में व्यस्त रहे हैं।

सुविधाभोगी हो गए हैं, पर अर्जुन के साथ वह बात नहीं। उसे लाक्षागृह में जलना पड़ा है, उसकी आंखों के सामने द्वौपदी को नग्न करने का दुःसाहस किया गया है, उसे दर-दर भटकना पड़ा है, उसके बेटे को सारे महारथियों ने धेर कर मार डाला है, विराट नगर में उसे नपुंसकों की तरह दिन गुजारने को मजबूर होना पड़ा। अतः उसके बाणों में तेज होगा कि तुम्हरे बाणों में, यह निर्णय तुम स्वयं कर लो। लगभग यही स्थिति आज के राजनीतिक दलों के सम्मुख खड़ी है। किसी भी राजनीतिक दल के पास आदर्श चेहरा नहीं है, कोई पवित्र एजेंडा नहीं है, किसी के पास बांटने को रेशमी के टुकड़े नहीं हैं, जो नया आलोक दे सकें जो मोदी रूपी अर्जुन के देश-विकास के बाणों का मुकाबला कर सके।

## मोदी को समझने में अभी भी गलती कर रहे हैं राहुल गांधी



अशोक भाटिया

राहुल गांधी ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि वह अपनी गलतियों से कभी सबक नहीं सीखते। इस बार उन्होंने प्रधानमंत्री प्रहर करने के हैंदूर धर्म में एक और हम उससे इसमें संदेह नहीं मोदी से पूरी के साथ डाई लड़ रहे हैं तो कठिन है कि न का मुकाबला उन्हें यह कहने शक्ता थी कि एक शब्द है जो है कि यात्राओं ने के बाद राहुल की जिस सड़क पर है, आगे बढ़ने लिखे अलट भी चाहिये - 'आगे और 'सावधानी टी।' राहुल गांधी गतिसंरक्षण से लड़ाई ही तेज रफ्तार में रसा हो लेकिन लालू यादव के बयान जैसा हुआ के मंच से राहुल गांधी बयान में जुट गये की बात है। मोदी ने जिस चुनाव में कांग्रेसी के 'चौकीदार' को न्यूटूलाइज आरेजडी नेता परिवार वाले नकुल वैसा ही। फर्क बस ये हैं कि पिछली बार प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपने नाम से पहले चौकीदार शब्द जोड़ लिया था। इस बार भाजपा के नेता और समर्थकों ने अपने अपने नाम के साथ 'मोदी का परिवार' जोड़ लिया है और खुद टारेगेट से हटकर हथियार का रास्ता उससे और मोड़ दिया है जिधर से वाकिया गया था। हो सकता है लालू यादव की राजनीतिक सेहत को उनके बयान से उतना नुकसान न हो जितना राहुल गांधी का होता है क्योंकि दोनों ही नेताओं के अलग अलग बौद्धिक हैं लेकिन प्रधानमंत्री मोदी पर निजी हमलों की रणनीति से इंडिया गठबंधन में राहुल गांधी और लालू यादव के सार्थक नेता उमर अब्दुल्ला भी इत्तेफाक नहीं रखते। लालू यादव के बयान पर 2019 के आम चुनाव की याद दिलाते हुए नेशनल कार्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने 'चौकीदार चोर है' के नारे कहवाला देते हुए समझाया कि कैसे विपक्ष को ही दांव उलटा पड़ गया। उमर अब्दुल्ला कहते हैं, 'मैं कभी भी ऐसे नारे के पक्ष में नहीं था और न ही इनसे कोई फायदा होता है। जब हम ऐसे नारे लगाते हैं तो इसका उलटा असर होता है। तब हमें ही नुकसान होता है।' उमर अब्दुल्ला की राय मानें तो वोटरों को नारों से मतलब नहीं होता कहते हैं, वो जानना चाहते हैं आज उसके सामने जो समस्याएं हैं, उनका समाधान कैसे किया जाएगा। रोजगार, कृषि संकट से निपटने के तरीके बारे में जानना चाहते हैं। किसी का परिवार है या नहीं, इस बारे में नहीं जानना चाहते। 'मोदी पर निजी हमले से होने वाले नुकसान को लेकर कांग्रेस के नेता ही राहुल गांधी को अलट कर चुके हैं लेकिन वो मानने को तैयार नहीं हैं कहां विपक्ष आक्रामक होकर

भाजपा और मोदी को धेरने की कोशिश करता और कहां सेल्फ-गोल के बाद बचाव की मुद्रा में आना पड़ रहा है - राहुल गांधी और लालू यादव के बयान मिसाल हैं। लालू यादव के बहाने ही सही, उमर अब्दुल्ला की पूरी समझाइश राहुल गांधी के लिए ही लगती है। समझाते हैं, चौकीदार, अडानी-अंबानी, राफेल, परिवार - प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ ये सारे मुद्रे काम नहीं करते हैं। देखा जाये तो अडानी-अंबानी का मुद्दा भी चुनावों के दौरान लोगों को राफेल की तरह ही बोरियत पैदा करने वाला लग रहा है। अगर राहुल गांधी बेरोजगारी की बात करते हैं, आरक्षण की बात करते हैं, महिलाओं, किसानों, युवाओं की बात करते हैं तो उस पर फोकस भी रहना चाहिये - बाकी बातें हानिकारक साबित हो रही हैं। इंडिया टुडे कॉनक्लेव के दौरान सीवेटर के प्रमुख यशवंत देशमुख ने देश की ऐसी 243 सीटों का हवाला दिया था जहां क्षेत्रीय दल भाजपा के लिए चुनौती बने हुए हैं। कंग्रेस को अब तो संभल ही जाना चाहिये और खुद पीछे खड़े होकर क्षेत्रीय दलों को मुकाबले में मोर्चे पर रहने देना चाहिये था। राहुल गांधी के मन में क्षेत्रीय दलों को लेकर जो भी धारणा बनी हुई हो लेकिन असलियत तो यही है कि पश्चिम बंगाल हो या उत्तर प्रदेश या फिर तमिलनाडु, कंग्रेस के लिए ड्राइविंग सीट कहीं भी खाली नहीं है और हर ट्रैफिक सिग्नल पर भाजपा पूरे लाव लश्कर के साथ डटी हुई है। एक भी रेडलाइट जंप किया तो खैर नहीं। अगर वास्तव में राहुल गांधी को मोदी और भाजपा से वास्तव में मुकाबला करना है तो परी स्टैटेजी बदलनी होगी -

# सरकार बनाने में महिला मतदाताओं की होगी अहम भूमिका



डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में 18 वीं लोकसभा के चुनाव का या है। मुख्य चुनव व कुमार ने 18 वीं लिए सात चरणों में कार्यक्रम जारी वहीं 4 जून को तीराख तय की सी बात है कि 4 अप्रैल बाद तक 18 वीं तस्वीर साफ हो यह सब अलग अश्व के सबसे बड़े देश भारत में हेलाओं की बढ़ती तारीफ काविल चुनावों ने देश की नई सरकार वहत्वपूर्ण भूमिका ने की बात यह भी कि चुनाव में पुरुष की तुलना में मतदाताओं ने अधिक मतदान किया है। माना जाने लगा है कि दर्जन के करीब लाओं के बोट ही के गठन में बड़ी ने वाले हैं। तस्वीर क पक्ष यह भी है कि नहीं चुनावों में हिस्सा लेने और अमीदवार जताने में आगे आई है। देश दूसरे लोकसभा वों में जहां 22 वर्ष चुन कर आई थी 2019 के आम चुनाव सांसद चुन कर के आधी आबादी रा में लाने के लिए लोनों दाग नए नए में आगे आकर हिस्सा लेने लगी है। पिछले चुनावों के आंकड़ों से यह सब साफ हो चुका है। इस साल देश में 96 करोड़ 88 लाख मतदाता है तो इनमें से महिला मतदाताओं की संख्या 47 करोड़ 15 लाख के करीब है। एक मोटे अनुमान के अनुसार पुरुषों की तुलना में करीब दो करोड़ महिला मतदाता कम है। कमेंटेस यही स्थिति 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान थी। इस सबके बावजूद पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं के मतदान का आंकड़ा अधिक है। 2019 के चुनावों में पुरुष मतदाताओं का प्रतिशत 67.02 प्रतिशत रहा तो महिलाओं के मतदान का प्रतिशत 67.18 प्रतिशत रहा। पूर्वोत्तर, हिमाचल, गोवा, बिहार सहित बहुत से प्रदेशों में महिलाओं का मतदान प्रतिशत अधिक रहा। यह तो रही मतदान की बात तो दूसरी और नई सरकार बनाने में भी महिला मतदाताओं की अधिक भूमिका रही है। देखा जाए तो महिलाओं ने जिस दल पर अधिक भरोसा जताया या यों कहे कि जिस दल को अधिक मत दिए उसी दल की सरकार बनी। मजे की बात यह है कि 2014 में मोदी सरकार बनने और 2019 में रीपिट होने का प्रमुख कारण भी महिलाओं को भाजपा और खासतौर से नरेन्द्र मोदी पर अधिक भरोसा जताने को जाता है। 2004 के चुनावों में 22 प्रतिशत महिलाओं ने भाजपा और 26 प्रतिशत पुरुषों ने कांग्रेस को बोट दिया था वहीं 2019 के चुनाव आते आते इसमें जबरदस्त बदलाव देखने को मिला। 2019 के चुनावों में

## चाबी चोर के हाथ में

वस्तुओं को चूहे और बंदर क्या हवा भी निगल सकती है। इस तरह हमारे जीवन से कितनी चीजें हैं जिन्हें जाने अनजाने लोग बाग लिए जा रहे हैं, गायब किए जा रहे हैं। कभी ध्यान दिया है? नई नई बनी सड़क को रातों-रात वर्षा उड़ा ले जाती है। विकास के कामों में पैसे और गुणवत्ता को भ्रष्टाचार निगल लेता है। सरकारी अस्पतालों में दवाइयां गायब हो जाती हैं और वे कालाबाजारी के काम आती हैं। सारी कल्याणकारी योजनाओं में असली हकदरां के नाम पता नहीं कैसे गायब हो जाते हैं? चुनाव के समय जनता के सारे वोटों को, शराब और पैसा अपने मुट्ठी में कर जाती हैं। सच कहा जाये तो यह ए है। सच कहा जाए तो देश में यहाँ की सत्ता पार्टी के कार्यकर्ताओं के पिल्लवे हैं।

हा २६ जाता हा। अनुभव ता वहा बताता है कि किसी भी राजनीतिक दल द्वारा आधी तो दूर की बात एक तिहाई सीटों पर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए जाते हैं। खैर सबसे अच्छी बात यह है कि गॉव हो या शहर महिलाएं अब घर की चार दीवारी में कैद रहने वाली या पुरुष के कहे अनुसार मतदान करने वाली नहीं रही हैं। पुरुषों के हां में हां मिलाने वाली स्थिति से बहुत बाहर आ चुकी है आज देश की महिलाएं। संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया में महिलाएं सक्रियता से हिस्सा लेने लगी हैं। चुनावों में उम्मीदवारी भी जताती है तो चुनाव केंपेन के दौरान अपनी उपस्थिति भी दर्ज करती है। दसरी और मतदान 2019 के चुनाव में ३६ फासद महिलाओं ने भाजपा को वोट दिया। महिलाओं के अधिक मतदान का ही परिणाम रहा कि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा और नरेन्द्र मोदी को जबरदस्त मेजोरिटी प्राप्त हुई। विगत दो लोकसभा चुनाव परिणामों से सबक लेते हुए अब सभी राजनीतिक दल महिला मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने के हर संभव प्रयास में जुट गए हैं। यही कारण है कि महिलाओं को लुभाने वाली योजनाएं और कार्यक्रम ना केवल घोषित किये जा रहे हैं अपितु राजनीतिक दलों के आने वाले चुनाव घोषणा पत्रों में महिला मतदाताओं को लुभाने के हर संभव प्रयास होंगे।

# बुधवार और आमलकी एकादशी का योग

गणेश जी और बुध ग्रह की पूजा का शुभ योग, सूर्यास्त के बाद तुलसी के पास जलाएं दीपक



आज फाल्युन मास के शुक्र व्रद्धि की एकादशी है। इसे आमलकी और रंगभरी एकादशी कहा जाता है। बुधवार और आमलकी एकादशी के योग में विष्णु जी, आंवले का पेड़, अन्नपूर्णा माता के साथ ही गणेश जी और बुध ग्रह की पूजा भी जरूर करें। एकादशी की शाम तुलसी के पास दीपक अनिवार्य रूप से जलाना चाहिए।

परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होती हैं और सफलता मिलती है। ये व्रत भगवान विष्णु के लिए किया जाता है। आमलकी एकादशी पर विष्णु जी के पात्र अंतर्गत भूमि और पात्र अवतार जी

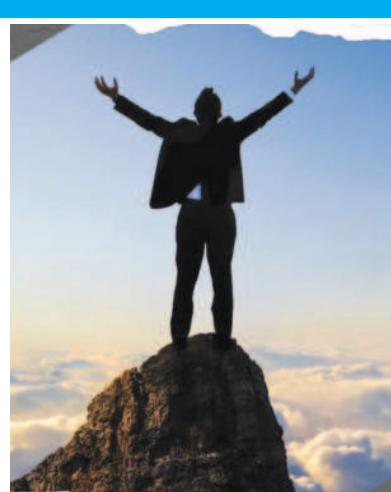
पर विष्णु जा के साथ आवल को और माता अन्नपूरा का पूजा करने की परंपरा है। इस बार ये व्रत बुधवार को आने से इस दिन गणेश जी और बुधवार ग्रह की पूजा का शुभ योग है।

सूर्यस्त के बाद जलाएं तुलसी के पास दीपक विष्णु जी की पूजा में तुलसी का इस्तेमाल खासतौर पर किया जाता है। मान्यता है कि तुलसी के पत्तों के बिना विष्णु जी भोग स्वीकार नहीं करते हैं, इसलिए भोग के साथ ही तुलसी जरूर रखी जाती है। एकादशी विष्णु जी की तिथि है, लेकिन इस दिन विष्णु प्रिया तुलसी की भी विशेष पूजा करनी चाहिए। सुबह तुलसी को जल चढाएं और शाम को सूर्यस्त के बाद तुलसी के पास दीपक जलाएं। ध्यान रखें शाम को तुलसी की स्पर्श न करें। दीपक जलाकर दूर से ही परिक्रमा करें।

**एकादशी पर क्य सकते हैं ये शुगन कान**

भगवान विष्णु की पूजा के साथ ही विष्णु जी के मंत्र ऊँ नमो भगवते वालुदेवाय का जप करते रहें।

**श्रीकृष्ण का अभिषेक करें और कृष्णाय नमः मंत्र का जप**



# समर्पण में ही है सफलता का राज

बैठ गया। तभी घड़े से आवाज आई, “तुम इतना क्रोध और उतावलापन क्यों दिखाते हो ? गुरु ने यदि तु हें शरण दी है तो निश्चित ही देव-सवरे तु हारो मनोकामना भी पूर्ण होगी।”

यह सुनकर ब्रह्मचारी बोला, “मैं यहां दुनियादारी के काम करने नहीं, आत्मविद्या प्राप्त करने आया हूं मगर यहां तो मेरा समय दूसरों की सेवा में ही गुजर जाता है।” इस पर घड़े ने कहा, “सुनो मित्र, मैं पहले सिर्फ एक मिट्टी का डला था। पहले कु हार ने मुझे लेकर कूटा, गलाया और कुछ दिनों तक अपने पैरों तले भी रौदा। इसके बाद उसने मुझे आकार दिया और फिर भट्टी में जागा। उब तर्हीं जाकर दूप घृतमी

# वर्षों लगे कुरान को उत्तरने में एक दिन में नहीं उत्तरा कुरान



तुम घबड़ा जरूर गए हो, तुम्हारा सारा अस्तित्व डगमगा गया है, लेकिन कुछ अनुठाहुआ है! निश्चित ही तुम परमात्मा के करीब से गुजर गए हो। उसका आंचल तुम्हें छू गया है। घबड़ाओ मत। पत्नी ने सम्हाला। दिनों तक सम्हाला। फिर धीरे-धीरे और आयते उत्तरनी शुरू हुईं। वर्षों लगे कुरान को उत्तरने में—एक दिन में नहीं उत्तरा कुरान, वर्षों में उत्तरा: धीरे-धीरे उत्तरा।

उत्तरा; धारा-धारा उत्तरा।  
जैसे-जैसे मोहम्मद राजी होते गए वैसे-वैसे उत्तरा। तो आज ही नहीं कि तुम किसी से कहो जाकर कि मुझे ईश्वर का अनुभव हुआ तो कोई भरोसा कर लेगा! और आज तो ऐसी पत्ती भी पाना मुश्किल है कि जो तुम्हें इतना सहारा दे सके। तो जब विश्वविद्यालय के लोग दिए हैं। हैरानी की बात है! कम से कम तैतीस प्रतिशत लोगों को अनुभव होते हैं। सामान्य, तैतीस प्रतिशत लोगों को ऐसे अनुभव होते हैं; जिन अनुभवों को अगर कोई सदगुरु मिल जाए, तो वे बीज न रह जाएं, वक्ष हो जाएं। मगर वे तैतीस प्रतिशत लोग भी किसी को

# धन से जुड़ी हर परेशानी

जीवन में अगर कभी भी धन की कमी का सामना करना पड़ता है तो इसका मतलब है आपकी कुंडली में धन स्थान खराब है। जीवन में धन की कमी आती है तो ही कर्जा चढ़ता है। कई बार कुछ न कुछ ऐसा हो जाता है जिस वजह से आपको कर्जा लेना पड़ जाता है। किसी भी परेशानी से मक्तु होने के लिए दशा का देखा बेहद ही जरुरी है।

आपकी कुंडली में धन का स्वामी और दशा का स्वामी सही होना चाहिए। तभी किसी परेशानी से छुटकारा पाया जा सकता है। ये अगर आपस में दुश्मन रहेंगे तो आपके जीवन में धन की कमी आएगी। ये सही नहीं है तो आपके जीवन में धन की कमी आएगी। इससे छुटकारा पाने के लिए उस दशा से जुड़े उपाय करना शुरू कर दें। यहाँ की ग्रोपिंग को अगर ध्यान में न रखा जाए तो भी आपका जीवन परेशानियों से घिर जाता है। पहले ग्रुप में आते हैं सूर्य, चन्द्रमा, गुरु और मंगल। अगर आपकी कुंडली में सूर्य की दशा चल रही है तो आपको मंगल, गुरु और सूर्य को भी सही रखना बेहद ही जरुरी है। सूर्य जब धन की कमी देते हैं तो लोग आपके खिलाफ होना शुरू हो जाते हैं। गुरु जब खराबी देंगे तो धन आएगा बाद में जाना पहले शुरू हो जाएगा। मंगल जब खराब होते हैं तो आपके अंदर की एनर्जी मर जाती है। चन्द्रमा जब खराब होते हैं तो आपकी डिसीजन मेकिंग पावर खराब हो जाती है। धन की कमी का एक कारण घर

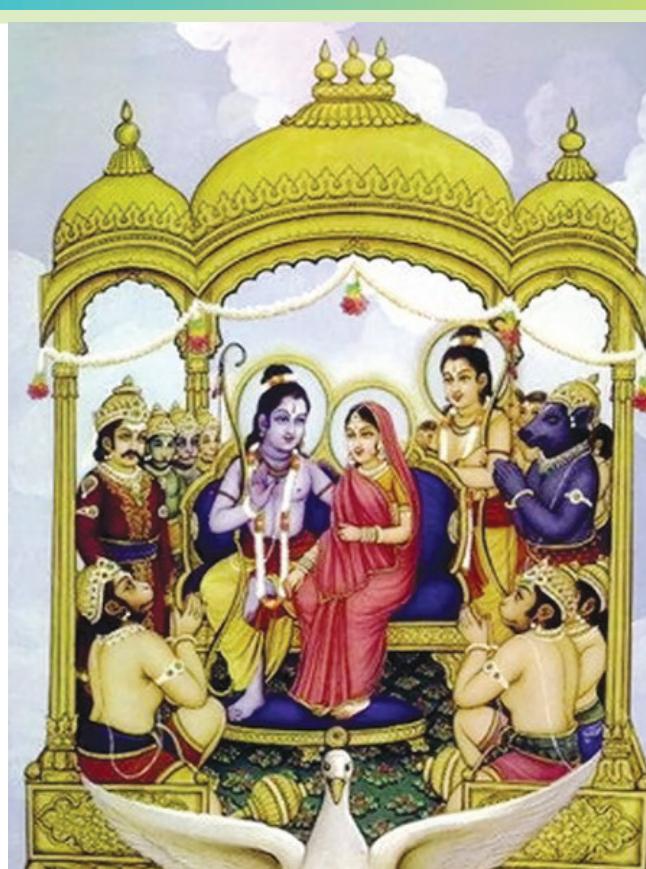
कहते नहीं। किसी को कहना तो दूर, खुद भी उनको झुठला देते हैं। खुद भी अपने को समझा लेते हैं कि रही होगी कोई कल्पना; रहा होगा कोई सपना; आई-गई बात हो गई। ज्यादा उस पर ध्यान नहीं देते। क्योंकि खुद भी डर लगता है कि ऐसी चीजों पर ध्यान देने में खतरा है। ऐसे द्वार, फिर पता नहीं कहां इनका अंत हो! ऐसी झङ्गियों में पड़ना ठीक नहीं! अपने काम-धाम में उलझ जाते हैं। तैतीस प्रतिशत लोग बड़ी सरलता से... यह जान कर तुम हैरान होओगे कि यह तैतीस प्रतिशत का आंकड़ा बहुत रूपों में मूल्यवान है। दुनिया में तैतीस प्रतिशत लोग ही हैं जो संगीत में गहराई पा सकते हैं। और तैतीस प्रतिशत लोग ही हैं जो ध्यान में गहराई पा सकते हैं। और तैतीस प्रतिशत लोग ही हैं जो सम्मोहन में बड़ी सरलता से प्रवेश पा सकते हैं। और तैतीस प्रतिशत लोग ही हैं जिनके भीतर प्रतिभा है। बाकी शेष को और कठिन हो जाता है। (क्रमशः)

का वास्तु भी होता है। ऐसी बहुत सी दिशाएं हैं जो आपके जीवन में पैसों की कमी कर देती हैं। साउथ-ईस्ट की दशा की खराबी आपको बहुत नुकसान पहुंचाती है।

आपके घर का अगर नार्थ-ईस्ट खराब होगा तो आप किसी भी समस्या का समाधान नहीं निकाल पाएंगे। आपका माइंड एक दम से ब्लॉक हो जाएगा। अगर ये दिशा खराब होती है तो आपको कर्ज लेने में भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

दक्षिण-पूर्व दिशा अगर खराब होगी तो आपके अपने लोगों से मन-मुटाब शुरू हो जाएंगे। अगर आपके घर का पश्चिम खराब है तो आप व्यापार में प्रॉफिट नहीं कमा पाओगे।

जिसके मन को जो अच्छा लगता है वह वही ले लेता है



## धन से जुड़ी हर परेशानी होगी दूर

जीवन में अगर कभी भी धन की कमी का सामना करना पड़ता है तो इसका मतलब है आपकी कुंडली में धन स्थान खराब है। जीवन में धन की कमी आती है तो ही कर्जा चढ़ता है। कई बार कुछ न कुछ ऐसा हो जाता है जिस वजह से आपको कर्जा लेना पड़ जाता है। किसी भी परेशानी से मुक्त होने के लिए दशा का देखा बेहद ही जरूरी है।

आपकी कुंडली में धन का स्वामी और दशा का स्वामी सही होना चाहिए। तभी किसी परेशानी से छुटकारा पाया जा सकता है। ये अगर आपस में दुश्मन रहेंगे तो आपके जीवन में धन की कमी आएगी। ये सही नहीं हैं तो आपके जीवन में धन की कमी आएगी। इससे छुटकारा पाने के लिए उस दशा से जुड़े उपाय करना शुरू कर दें। ग्रहों की ग्रोपिंग को अगर ध्यान में न रखा जाए तो भी आपका जीवन परेशानियों से घिर जाता है। पहले ग्रुप में आते हैं सूर्य, चन्द्रमा, गुरु और मंगल। अगर आपकी कुंडली में सूर्य की दशा चल रही है तो आपको मंगल, गुरु और सूर्य को भी सही रखना बेहद ही जरूरी है। सूर्य जब धन की कमी देते हैं तो लोग आपके खिलाफ होना शुरू हो जाते हैं। गुरु जब खराबी देंगे तो धन आएगा बाद में जाना पहले शुरू हो जाएगा। मंगल जब खराब होते हैं तो आपके अंदर की एनर्जी मर जाती है। चन्द्रमा जब खराब होते हैं तो आपकी डिसीजन मेकिंग पावर खराब हो जाती है। धन की कमी का एक कारण घर

का वास्तु भी होता है। ऐसी बहुत सी दिशाएं हैं जो आपके जीवन में पैसों की कमी कर देती हैं। साउथ-ईस्ट की दशा की खराबी आपको बहुत नुकसान पहुंचाती है। आपके घर का अगर नार्थ-ईस्ट खराब होगा तो आप किसी भी समस्या का समाधान नहीं निकाल पाएंगे। आपका माइंड एक दम से ब्लॉक हो जाएगा। अगर ये दिशा खराब होती है तो आपको कर्ज लेने में भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। दक्षिण-पूर्व दिशा अगर खराब होगी तो आपके अपने लोगों से मन-मुटाव शुरू हो जाएंगे। अगर आपके घर का पश्चिम खराब है तो आप व्यापार में प्रॉफिट नहीं कमा पाओगे।

जिसके मन को जो अच्छा लगता है, वह वही ले लेता है

# जिसके मन को जो अच्छा लगता है, वह वही ले लेता है

दि अवधि बीत जाने पर आता हूं तो भाई को जीता न दूँगा। छोटे भाई भरतजी की नीति का स्मरण करके प्रभु का अपीर बार-बार पुलकित हो रहा है। श्री रामजी ने फिर नहा- हे विभीषण! तुम लल्पभर राज्य करना, मन में रागा निरंतर स्मरण करते हो। फिर तुम मेरे उस धाम जो पा जाओगे, जहां सब संत आते हैं। श्री रामचंद्रजी के चन्द्र सुनते ही विभीषणजी ने विर्ति होकर कृपा के धाम श्री रामजी के चरण पकड़ लिए। अभी वानर-भालू हर्षित हो गए और प्रभु के चरण पकड़कर उनके निर्मल गुणों का बखान लग रहे लगे। फिर विभीषणजी दहल को गए और उन्होंने विणियों के समृहों (रत्नों) से और वस्त्रों से विमान को भर न याए। फिर उस पुष्टक विमान को लाकर प्रभु के चामने रखा। तब कृपासागर श्री रामजी ने हंसकर कहा- हे रघुवा विभीषण! सुनो, विमान र चढ़कर, आकाश में जाकर वस्त्रों और गहनों को बरसा दो। तब आज्ञा सुनते ही विभीषणजी ने आकाश में जाकर सब मणियों और वस्त्रों को बरसा दिया। जिसके मन

जो अच्छा लगता है, वह वही ले लेता है। विणियों को मुंह में लेकर वानर फिर उन्हें खाने वी चीज न समझकर उगल देते हैं। यह माशा देखकर परम विनोदी और कृपा के धाम श्री रामजी, सीताजी और लक्ष्मणजी सहित सने लगे। जिनको मुनि ध्यान में भी नहीं

पाते, जिन्हें वेद नेति-नेति कहते हैं, वे ही कृपा के समुद्र श्री रामजी वानरों के साथ अनेकों प्रकार के विनोद कर रहे हैं। अनेकों प्रकार के योग, जप, दान, तप, यज्ञ, व्रत और नियम करने पर भी श्री रामचंद्रजी वैसी कृपा नहीं करते जैसी अनन्य प्रेम होने पर

करते हैं। भालुओं और वानरों ने कपड़े-गहने पाए और उन्हें पहन-पहनकर वे श्री रघुनाथजी के पास आए। अनेकों जातियों के वानरों को देखकर कोसलपति श्री रामजी बार-बार हंस रहे हैं। श्री रघुनाथजी ने कृपा दृष्टि से देखकर सब पर दया की। फिर वे कोमल वचन बोले- हे भाइयो! तुम्हारे ही बल से मैंने रावण को मारा और फिर विभीषण का राजतिलक किया। अब तुम सब अपने-अपने घर जाओ। मेरा स्मरण करते रहना और किसी से डरना नहीं। ये वचन सुनते ही सब वानर प्रेम में विह्वल होकर हाथ जोड़कर आदरपूर्वक बोले- प्रभो! आप जो कुछ भी कहें, आपको सब सोहता है। पर आपके वचन सुनकर हमको मोह होता है। हे रघुनाथजी! आप तीनों लोकों के ईश्वर हैं। हम वानरों को दीन जानकर ही आपने सनाथ (कृतार्थ) किया है। प्रभु के (ऐसे) वचन सुनकर हम लाज के मारे मरे जा रहे हैं। कहीं मच्छर भी गरुड़ का हित कर सकते हैं? श्री रामजी का रुख देखकर रीछ-वानर प्रेम में मग्न हो गए। उनकी घर जाने की इच्छा नहीं है। परन्तु प्रभु की प्रेरणा (आज्ञा) से सब वानर-भालू श्री रामजी के रूप को हृदय में रखकर और अनेकों प्रकार से विनती करके हर्ष और विषाद सहित घर को चले। वानरराज सुग्रीव, नील, ऋक्षराज

जाम्बवान, अंगद, नल और हनुमान तथा विभीषण सहित और जो बलवान वानर सेनापति हैं, वे कुछ कह नहीं सकते, प्रेमवश नेत्रों में जल भर-भरकर, नेत्रों का पलक मारना छोड़कर (टकटकी लगाए) समुख होकर श्री रामजी की ओर देख रहे हैं। (जारी)

करते हैं। भालुओं और वानरों ने कपड़े-गहने पाए और उन्हें पहन-पहनकर वे श्री रघुनाथजी के पास आए। अनेकों जातियों के वानरों को देखकर कोसलपति श्री रामजी बार-बार हंस रहे हैं। श्री रघुनाथजी ने कृपा दृष्टि से देखकर सब पर दया की। फिर वे कोमल वचन बोले- हे भाइयो! तुम्हारे ही बल से मैंने रावण को मारा और फिर विभीषण का राजतिलक किया। अब तुम सब अपने-अपने घर जाओ। मेरा स्मरण करते रहना और किसी से डरना नहीं। ये वचन सुनते ही सब वानर प्रेम में विहळ होकर हाथ जोड़कर आदरपूर्वक बोले- प्रभो! आप जो कुछ भी कहें, आपको सब सोहता है। पर आपके वचन सुनकर हमको मोह होता है। हे रघुनाथजी! आप तीनों लोकों के ईश्वर हैं। हम वानरों को दीन जानकर ही आपने सनाथ (कृतार्थ) किया है। प्रभु के (ऐसे) वचन सुनकर हम लाज के मारे मरे जा रहे हैं। कहीं मच्छर भी गरुड़ का हित कर सकते हैं? श्री रामजी का रुख देखकर रीछ-वानर प्रेम में मग्न हो गए। उनकी घर जाने की इच्छा नहीं है। परन्तु प्रभु की प्रेरणा (आज्ञा) से सब वानर-भालु श्री रामजी के रूप को हृदय में रखकर और अनेकों प्रकार से विनती करके हर्ष और विषाद सहित घर को चले। वानरराज सुग्रीव, नील, ऋक्षराज न, अंगद, नल और हनुमान तथा सहित और जो बलवान वानर हैं, वे कुछ कह नहीं सकते, प्रेमवश नल भर-भरकर, नेत्रों का पलक मारना (टकटकी लगाए) सम्मुख होकर श्री नि और देख रहे हैं। (जारी)

## ब्लैक ड्रेस में कहर बरपाती दिखीं शिल्पा शेट्टी मगर कमर में प्लास्टिक देख फैस हुए हैरान

अपनी जबरदस्त फिटनेस और एंट्रेस फिटिंग के लिए पहचाने जाने वाली खुबसूरत एंट्रेस शिल्पा शेट्टी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है और अपने फैस के साथ अपनी धांसु फोटो और जिम-योग के वीडियो शेयर करती रहती है। इसी बीच एंट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी कछु बेहतरीन फोटोज शेयर की है, जिसमें वो ब्लैक ड्रेस में नजर आ रही है।

उनका ये लुक काफी शानदार लग रहा है, लेकिन तस्वीरों में एक चीज ने फैस का खूब ध्यान खींचा। चरित्र बताते हैं क्या है वो अनोखी चीज़।

शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी जो तस्वीरें शेयर की हैं।

उनमें



एंट्रेस ब्लैक आउटफिट में बेहद खुबसूरत नजर आ रहा है, शिल्पा शेट्टी की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैस के साथ अपनी धांसु फोटो और जिम-योग के वीडियो शेयर करती रहती हैं। इसी बीच एंट्रेस ने अपने स्टाइल से पैस का खूब ध्यान खींचा।

इतना ही नहीं, शिल्पा शेट्टी के स्टाइल के साथ-साथ उनकी एक और बात ने पैस के साथ-साथ उनके फैस का ध्यान खींचा वो है एंट्रेस ने कमर में पहनी प्लास्टिक की एसेसरीज पहनी हुई है, जो उनके आउटफिट के गाउन को रोक हुए है।

शिल्पा ने अपने इस अनोखे ड्रेसिंग सेस के साथ पैंपराजी को खूब पोड़ दिए, जो देखते वायरल हो गए। वर्ती, अगर एंट्रेस के लुक की बात करें तो वे बेहद शानदार और ध्यारी लग रही हैं। इस दौरान एंट्रेस ने अपने बालों को प्लेन पेटन में स्टाइल किया हुआ है, जो उनके द्वारा शेयर की गई फोटो-वीडियो को अपना ढेर सारा ध्यार देते हैं। वहीं, अपने शिल्पा शेट्टी की एक्शन सीरीज 'इंडियन मुलिस फोर्स' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा और विवेक ओवरेंज नजर आ रहे हैं, ये सीरीज 19 जनवरी को ऑटोटी प्लॉटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। उनकी इस सीरीज को फैस का खूब ध्यार मिला।

एंट्रेस को अधिवारी वाले रोहित शेट्टी की एक्शन सीरीज 'इंडियन मुलिस फोर्स' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा और विवेक ओवरेंज नजर आ रहे हैं, ये सीरीज 19 जनवरी को ऑटोटी प्लॉटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। उनकी इस सीरीज को फैस का खूब ध्यार मिला।

एंट्रेस को अधिवारी वाले रोहित शेट्टी की एक्शन सीरीज 'इंडियन मुलिस फोर्स' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा और विवेक ओवरेंज नजर आ रहे हैं, ये सीरीज 19 जनवरी को ऑटोटी प्लॉटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। उनकी इस सीरीज को फैस का खूब ध्यार मिला।

एंट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'Slay in your lane', इसके साथ ही उन्होंने एक ब्लैक हार्ट इमोजी भी शेयर किया। इसके अलावा शिल्पा शेट्टी सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। उनकी काफी अच्छी फैन फॉलोइंग है, जो उनके द्वारा शेयर की गई फोटो-वीडियो को अपना ढेर सारा ध्यार देते हैं। वहीं, अपने शिल्पा शेट्टी की एक्शन सीरीज के बाकी करते हैं।

एंट्रेस ने अपने तस्वीरों को शेयर करते हुए एंट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'Slay in your lane', इसके साथ ही उन्होंने एक ब्लैक हार्ट इमोजी भी शेयर किया। इसके अलावा शिल्पा शेट्टी सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। उनकी काफी अच्छी फैन फॉलोइंग है, जो उनके द्वारा शेयर की गई फोटो-वीडियो को अपना ढेर सारा ध्यार देते हैं। वहीं, अपने शिल्पा शेट्टी की एक्शन सीरीज 'इंडियन मुलिस फोर्स' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा और विवेक ओवरेंज नजर आ रहे हैं, ये सीरीज 19 जनवरी को ऑटोटी प्लॉटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। उनकी इस सीरीज को फैस का खूब ध्यार मिला।

एंट्रेस को अधिवारी वाले रोहित शेट्टी की एक्शन सीरीज 'इंडियन मुलिस फोर्स' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा और विवेक ओवरेंज नजर आ रहे हैं, ये सीरीज 19 जनवरी को ऑटोटी प्लॉटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। उनकी इस सीरीज को फैस का खूब ध्यार मिला।

## दलपति विजय को देख बेकाबू हुए प्रशंसक, दीदार के चक्कर में चकनाचूर कर डाली अभिनेता की कार

साउथ सुपरस्टार दलपति विजय का प्रशंसकों के बीच जबरदस्त क्रेज है। उनकी एक झलक के लिए भीड़ जुट जाती है। हाल ही में अभिनेता अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग के लिए केरल पहुंचे हैं। यहां प्रशंसकों ने उनका जारीदार स्वागत किया। एयरपोर्ट पर एंट्रेस को शेयर की गई जमा हो गई। अलाम यह रहा कि अभिनेता जारीदार जाने के लिए कार से बराना हुए, तो फैस की भीड़ जमा हो गई। अलाम यह रहा कि अभिनेता की दूरी कार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।



सैलाब उमड़ पड़ा और जब वे होटल के लिए निकले तो फैस की भीड़ उनकी कार के पीछे-पीछे चल दी।

### ट्रूट गण कार के शीरी

विजय जिस कार में सवार थे प्रशंसकों ने उस कार को ध्वनिस्त कर दिया। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि कार के पीछे-पीछे चल दी।

### ट्रूट गण कार के शीरी

विजय जिस कार में सवार थे प्रशंसकों ने उस कार को ध्वनिस्त कर दिया। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि कार के पीछे-पीछे चल दी।

## कभी विक्रांत मैसी ने सारा अली खान से मांगी थी माफी

ओटीटी पर रिलीज हुई इस फिल्म को प्रसंद किया गया था। विक्रांत और सारा दोनों की ही एक्टिंग की उत्साह की ओर सोशल मीडिया पर खूब पहुंचते हैं। उनके पहुंचते ही, ही तिरुनंतपुरम की सड़कों पर अपने लुक को पूरा करने के लिए शहनाज को फैस की एक झलक पाने को फैस का

काफी उत्साह है। सोशल मीडिया पर इसकी शूटिंग के लिए केल पहुंचते हैं। उनके पहुंचते ही, ही तिरुनंतपुरम की सड़कों पर अपने लुक को पूरा करने के लिए शहनाज को फैस की एक झलक पाने को फैस का

काफी उत्साह है। सोशल मीडिया पर इसकी शूटिंग के लिए केल पहुंचते हैं। उनके पहुंचते ही, ही तिरुनंतपुरम की सड़कों पर अपने लुक को पूरा करने के लिए शहनाज को फैस की एक झलक पाने को फैस का

काफी उत्साह है। सोशल मीडिया पर इसकी शूटिंग के लिए केल पहुंचते हैं। उनके पहुंचते ही, ही तिरुनंतपुरम की सड़कों पर अपने लुक को पूरा करने के लिए शहनाज को फैस की एक झलक पाने को फैस का

काफी उत्साह है। सोशल मीडिया पर इसकी शूटिंग के लिए केल पहुंचते हैं। उनके पहुंचते ही, ही तिरुनंतपुरम की सड़कों पर अपने लुक को पूरा करने के लिए शहनाज को फैस की एक झलक पाने को फैस का

काफी उत्साह है। सोशल मीडिया पर इसकी शूटिंग के लिए केल पहुंचते हैं। उनके पहुंचते ही, ही तिरुनंतपुरम की सड़कों पर अपने लुक को पूरा करने के लिए शहनाज को फैस की एक झलक पाने को फैस का

काफी उत्साह है। सोशल मीडिया पर इसकी शूटिंग के लिए केल पहुंचते हैं। उनके पहुंचते ही, ही तिरुनंतपुरम की सड़कों पर अपने लुक को पूरा करने के लिए शहनाज को फैस की एक झलक पाने को फैस का

काफी उत्साह है। सोशल मीडिया पर इसकी शूटिंग के लिए केल पहुंचते हैं। उनके पहुंचते ही, ही तिरुनंतपुरम की सड़कों पर अपने लुक को पूरा करने के लिए शहनाज को फैस की एक झलक पाने को फैस का

काफी उत्साह है। सोशल मीडिया पर इसकी शूटिंग के लिए केल पहुंचते हैं। उनके पहुंचते ही, ही तिरुनंतपुरम की सड़कों पर अपने लुक को पूरा करने के लिए शहनाज को फैस की एक झलक पाने को फैस का

काफी उत्साह है। सोशल मीडिया पर इसकी शूटिंग के लिए केल पहुंचते हैं। उनके पहुंचते ही, ही तिरुनंतपुरम की सड़कों पर अपने लुक को पूरा करने के लिए शहनाज को फैस की एक झलक पाने को फैस का

काफी उत्साह है। सोशल मीडिया पर इसकी शूटिंग के लिए केल पहुंचते हैं। उनके पहुंचते ही, ही तिरुनंतपुरम की सड़कों पर अपने लुक को पूरा करने के लिए शहनाज को फैस की एक झलक पाने को फैस का

काफी उत्साह है। सोशल मीडिया पर इसकी शूटिंग के लिए केल पहुंचते हैं। उनके पहुंचते ही, ही तिरुनंतपुरम की सड़कों पर अपने लुक को पूरा करने के लिए शहनाज को फैस की एक झलक पाने को फैस का

काफी उत्साह है। सोशल मीडिया पर इसकी शूटिंग के लिए केल पहुंचते हैं। उनके पहुंचते ही, ही तिरुनंतपुरम की सड़कों पर अपने लुक को पूरा करने के लिए शहनाज को फैस की एक झलक पाने को फैस का

काफी उत्साह है। सोशल मीडिया पर इसकी शूटिंग के लिए केल पहुंचते हैं। उनके पहुंचते ही, ही तिरुनंतपुरम की सड़कों पर अपने लुक को पूरा करने के लिए शहनाज को फैस की एक झलक पाने को फैस का

काफी उत्साह है। सोशल मीडिया पर इसकी शूटिंग के लिए केल पहुंचते हैं।











## मानवेंद्र सिंह और रविंद्र सिंह भाटी ने सीएम भजनलाल से की मुलाकात



जोधपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। बाइमर के पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह जसोल ने जोधपुर के एक होटल के बंद कमरे में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की। पिछले लंबे समय में उनके भाजपा में आने की अटकलें चल रही हैं। ऐसे में इस मुलाकात को इससे भी जोधपुर के देखा जा रहा है। गैरतरलव के जिसोल की पत्नी के निधन पर कई बीजेपी नेता सांत्वना देने उनके घर पहुंचे थे।

कांग्रेस में अब तक मानवेंद्र सिंह को टिकट नहीं मिलने से भी नारजी सामने आई है। **सीएम के साथ उदयपुर गए भाटी**

वहाँ दूसरी तरफ शिव के निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी भी मंगलवार सुबह अचानक जोधपुर पहुंचे। वहाँ सीएम के आगे से पहले भीड़िया से बातचीत में उन्होंने कहा कि अपने समर्थकों के साथ बातचीत के बाद

लोकसभा चुनाव में उत्तरने का फैसला करेंगे। पिछले लंबे समय से भाटी के बाइमर से लोकसभा चुनाव में उत्तरने के कायास लगाए जा रहे हैं।

गहलोत के गढ़ में भाजपा की संघर्षपारी

इससे पहले मंगलवार को लोकसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गढ़ में भाजपा ने सेंधमारी करते हुए गहलोत के करीबी हनुमान सिंह खांगटा और पप्पूराम डारा को भाजपा ज्वान करवाई है। मेडिकल कॉलेज में मुख्यमंत्री नेताओं में दोनों नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

आने वाले चुनाव में राजपूत और बिनोई वोट बैंक के हिसाब से दोनों नेताओं का भाजपा में जाना जा रहा है कि जसोल की पत्नी के निधन पर कई बीजेपी नेता सांत्वना देने उनके घर पहुंचे थे।

गैरतरलव के गढ़ में भाजपा की जोधपुर के विधायक रविंद्र सिंह भाटी को जोधपुर में वैठक खत्म कर उदयपुर के लिए रवाना हुए तो स्टेट लेने में विधायक भाटी भी उनके साथ गए। ऐसे में माना जा रहा है कि भाजपा ने यह डैमेज भी

## क्या बीजेपी छोड़ कांग्रेस में जा रहे वसुंधरा राजे के ये सबसे करीबी नेता?



जयपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। वसुंधरा राजे के सबसे करीबी और विश्वस्त नेताओं में से एक वरिष्ठ नेता के भाजपा से निकलकर कांग्रेस में जाने की चर्चाएं और अटकलें अचानक से परवान पर हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर राजस्थान में चुनावी हलचलें परवान पर हैं। इसी बीच

कांग्रेस-भाजपा के नेताओं के दल-बदल का सिलसिला भी जारी है। संभावित है कि लोकसभा चुनाव कार्यक्रम घोषित होने से पहले बड़े पैमाने पर हुए नेताओं के दल-बदल सभी सीटों पर प्रत्याशी घोषित हो जाने तक जारी होंगे।

गैरतरलव है कि प्रदेश की कुल 25 लोकसभा सीटों में से भाजपा

की दौड़ में अब एक नाम प्रहलाद गुंजल का भी शामिल हो गया है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं में शुमार गुंजल के भाजपा का दामन त्यागकर कांग्रेस में जाने की चर्चा है।

गुंजल के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें मंगलवार को अचानक से सोशल मीडिया पर चलना शुरू हुई, जिसने बाद में राजनीतिक गलियों में चर्चाओं को हवा दे दी।

**कांग्रेस-गुंजल के बीच बनी सहमति: सूत्र**

सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रहलाद गुंजल को पार्टी में शामिल करने को लेकर कांग्रेस आलाकामा भी सहमत हो गया है।

माना तो यहाँ तक जा रहा है कि बुधवार को नई दिल्ली स्थित एआईसी मुख्यमंत्री अध्यक्ष मिलिकार्जुन खरों की मौजूदगी में प्रहलाद गुंजल को आपैचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता दिलाई जा सकती है।

माना तो यहाँ तक जा रहा है कि बुधवार को नई दिल्ली स्थित एआईसी मुख्यमंत्री अध्यक्ष मिलिकार्जुन खरों की मौजूदगी में प्रहलाद गुंजल थामेंगे।

बाह्यकारी साथी!

लोकसभा चुनाव से एन पहले

तक जारी नेताओं के 'दल-बदल'

ने 10 और कांग्रेस ने 15 सीटों पर अब भी अपने पते नहीं खोले हैं। दोनों पार्टीयों की इन शेष रही सीटों पर उम्मीदवार चयन की मशक्कत राष्ट्रीय राजनीति दिल्ली में दिन-रात जारी है।

अब प्रहलाद गुंजल थामेंगे।

हाथ का साथ!

लोकसभा चुनाव से एन पहले

तक जारी नेताओं के 'दल-बदल'

जालोर के पूर्व विधायक समेत 29 नेताओं ने थामा भाजपा का दामन मिलकर काम करने का लिया संकल्प



जयपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान संसद चुनावीलाल गरारिया ने कहा कि कांग्रेस तो विखर, गई है। उन्होंने तीनों लोकसभा के उम्मीदवारों के लिए मैदान में पूरी ताकत से काम करने की बात कही।

उदयपुर संभाग की सीटों के पदाधिकारी बैठक में शामिल

भाजपा संसद स्तर पर बाहर

गए। कलस्टर के तहत उदयपुर शहर, उदयपुर देहात, चिंटांगढ़, ग्रामीण बालांगढ़ और दंगांगढ़ बाद दोनों नेता माने और मंच पर गए।

सीएम साढ़े चार बजे पहुंचे मंच पर

बैठक में साढ़े चार बजे मंच पर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पहुंचे।

सोंपांग में यहाँ पर बांसवाड़ा

संसद कनककारी कटारा, निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचंद्र कृपलानी और पिंकेश पोरवाल ने

स्वागत किया। इस दौरान भाजपा

प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी का

भाजपा उदयपुर शहर के पूर्व अध्यक्ष रवींद्र शर्मा भी आ गए। मंच पर भजनलाल शर्मा के बैठक में यहाँ पहुंचे। दोनों नेता माने और मंच पर आकर बैठे। बैठक में यहाँ पहुंचे।

भजनलाल शर्मा के बैठक में यहाँ पहुंचे।





